साधन
(Resources)

व्यवस्था की परिभाषा में साधनों का महत्व स्पष्ट रूप से दृष्टिगत होता है—अपने उपलब्ध साधनों के उपयोग द्वारा ही कोई व्यक्ति या परिवार अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करता है। इस प्रकार व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण चरण है—साधनों का संगठन करना और उसे गतिशील बनाना। यह चरण गृहिणी को क्रिया करने और बनाई गई योजना को पूर्ण करने में सहायक होता है। इन साधनों को अनगिनत तरीकों से उपयोग में लाकंर व्यक्ति या समूह अपने लिए महत्वपूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त करता है। प्रभावशाली व्यवस्थापन का उद्देश्य होता है—पारिवारिक साधनों का इस प्रकार उपयोग करना ताकि परिवार को अधिकतम सन्तोष की प्राप्ति हो सके। यहाँ यह प्रश्न उठता है कि व्यवस्था क्रियात्मक शब्द है या अक्रियात्मक, किन्तु अधिकांश व्यक्ति इस बात से सहमत हैं कि व्यवस्था क्रियात्मक है, क्योंकि इसमें कोई व्यक्ति किसी चीज की व्यवस्था करता है, अर्थात् साधनों की व्यवस्था करता है।

साधनों का वर्गीकरण
(Classification of Resources)

साधनों के कई तरह से वर्गीकरण किये गये हैं—

(1) जुलाई, 1961 में इण्डियाना (Indiana) के **फ्रेन्च लिक** (French Lick) में गृह अर्थशास्त्र के सेमिनार में साधनों का यह वर्गीकरण उपयोग में लाया—

(i) तकनीकी साधन (Technological resources)—ऐसे साधन जिसमें ऐसी वस्तुओं को सम्मिलित किया जाता है जिनसे कार्य किया जाता है। इनमें प्राकृतिक और उत्पादित वस्तुएँ सम्मिलित की जाती हैं। व्यक्ति इनसे कार्य का सूत्रपात करता है।

(ii) सामाजिक साधन (Social resources)—व्यवस्थापक के अतिरिक्त व्यक्तियों व वस्तुओं से कार्य करने हेतु साधन जैसे रेस्टोरन्ट, चर्च आदि में।

(iii) व्यक्तिगत या अव्यक्त साधन (Individual or intangible resources)—जिसमें व्यक्ति की भावना, अभिवृत्ति, विश्वास, संवेग और व्यक्तिगत सम्बन्ध से सम्बन्धित साधन होते हैं।

(2) **ग्रॉस एवं क्रेन्डल**[1] ने साधनों को मानवीय (Human) और अमानवीय (Non-human) साधनों के रूप में वर्गीकृत किया है, जिसमें उन्होंने मानवीय साधनों की व्यवस्था पर अधिक बल दिया है अर्थात ऐसे साधन जो व्यक्ति में पाये जाते हैं।

कुछ मानवीय साधन अन्य की अपेक्षा कम व्यक्त किये जाने वाले होते हैं। **ग्रॉस एवं क्रेण्डल** के

Scanned with CamScanner

अनुसार माननीय साधनों के अन्तर्गत यह साधन सम्मिलित किये जाते हैं— समय (time), शक्ति (energy), रुचियाँ (interests), योग्यता (abilities), कौशल (skill), ज्ञान (knowledge) और अभिवृत्ति (attitudes)। अमानवीय साधनों के अन्तर्गत धन (money), भौतिक वस्तुएँ (material goods) और सामुदायिक साधन (community facilities) सम्मिलित किए गए हैं। इसे उन्होंने इस प्रकार बताया है—

मानवीय साधन	उदाहरण	अमानवीय साधन	उदाहरण
1. समय—	एक घण्टा, दिन, सप्ताह या सम्पूर्ण जीवन	1. भौतिक वस्तुएँ—	भोजन, स्वयं का घर, कपड़े
2. शक्ति—	सीढ़ियाँ चढ़ने के लिए शक्ति की आवश्यकता	2. धन—	बचत, मजदूरी, विनियोजन से प्राप्त आय
3. रुचियाँ—	बागवानी, संगीत या भोजन तैयार करने में रुचि	3. सामुदायिक सुविधाएँ—	पुस्तकालय, उद्यान, बाजार की सुविधाएँ।
4. योग्यताएँ या कौशल—	बुद्धिमत्तापूर्ण योग्यता या बुनाई में कौशल		
5. ज्ञान—	परिधान के चयन में सूचनाओं की आवश्यकता, व्यवस्था के सिद्धान्तों को समझना		
6. अभिवृत्तियाँ—	परिवर्तन को ग्रहण करने की इच्छा, आशावादिता।		

(3) निकिल एवं डॉर्सी (Nickell & Dorsey)[1] ने भी साधनों को मानवीय (Human) और अमानवीय (Non-human) समूह में वर्गीकृत किया है किन्तु उन्होंने समय को अमानवीय साधन माना है।

साधनों के प्रकार
(Types of Resources)

उपलब्ध साधनों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—

(I) मानवीय साधन (Human Resources)

(II) भौतिक साधन (Non-human or Physical Resources)

(I) मानवीय साधन (Human Resources)

मानवीय साधन सीमित होते हैं, परन्तु अभ्यास और ज्ञान वृद्धि (Practice and Increase of Knowledge) कर कुछ सीमा तक वृद्धि कर सकते हैं। मानवीय साधन के अन्तर्गत परिवार के सदस्यों की विशेष तथा सामान्य योग्यतायें, रुचियाँ तथा समाज के द्वारा प्राप्त शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधायें आती हैं। मानवीय साधन निम्नलिखित होते हैं—

(1) **समय** (Time)—समय प्रत्येक कार्य के लिए आवश्यक है। कुछ विद्वानों ने समय को मानवीय साधन माना है, जबकि अन्य विद्वान भौतिक साधन मानते हैं परन्तु समय मानवीय साधन ही अधिक उचित प्रतीत होता है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति समय का उपयोग करता है और बीता हुआ समय लौटकर नहीं लाया जा सकता। प्रत्येक व्यक्ति को सीमित एवं बराबर का समय प्राप्त है। समय को व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए और समय का सदुपयोग करना प्रत्येक परिवार का कर्तव्य है।

(2) **शक्ति** (Energy)—व्यक्ति को हर कार्य के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है। यह एक सीमित साधन है। ऊर्जा एक महत्वपूर्ण साधन है जिसके व्यय करने पर ही मानसिक एवं शारीरिक कार्य सम्पन्न किए जा सकते हैं।

Scanned with CamScanner

(3) **रुचि** (Interest)—रुचि होने पर कार्य-कुशलता बढ़ जाती है। रुचि की कमी होने पर कार्य नीरस लगने लगता है तथा थकान जल्दी हो जाती है; जैसे—सिलाई में रुचि होने पर इस साधन का उपयोग करके अतिरिक्त समय का सदुपयोग कर सकते हैं और सन्तुष्टि प्राप्त होती है।

(4) **योग्यता** (Capability)—योग्यता एक महत्वपूर्ण मानवीय साधन है। योग्य व्यक्ति ही कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न कर सकेगा। प्रत्येक व्यक्ति सभी कार्यों के लिए योग्य नहीं होता, चाहे वह शारीरिक हो या मानसिक। कई योग्यतायें जन्म से (By Birth) होती हैं तथा कई योग्यतायें प्रयास कर (By efforts) अर्जित की जा सकती हैं।

(5) **ज्ञान** (Knowledge)—आजकल बाजार में कई प्रकार के उपकरण व वस्तुयें उपलब्ध हैं। गृहिणी को इन सभी वस्तुओं का ज्ञान और उपयोग में लाने की जानकारी होनी चाहिए। प्रत्येक सदस्य के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के लिए ज्ञान होना एक महत्वपूर्ण साधन है। ज्ञान के द्वारा ही विकल्पों (Alternatives) का चुनाव उचित रूप से किया जाता है। यदि ज्ञान की कमी होती है तो साधनों का उपयोग अधिक हो जाता है।

(6) **अभिवृत्तियाँ** (Attitudes)—मनोवृत्ति का निर्णय मूल्यों व लक्ष्यों के आधार पर होता है। परिवार के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए समय के अनुकूल एवं बदलती परिस्थितियों के साथ अपनी मनोवृत्तियों को बदलना पड़ता है। आशावादिता, निराशावादिता, अपने को बदलती परिस्थितियों में ढ़ालने की शक्ति आदि मानव प्रवृत्तियों के उदाहरण हैं।

(II) भौतिक साधन (Non-human Resources)

भौतिक साधनों को प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें हम देख सकते हैं, ये सीमित होते हैं और आन्तरिक नहीं होते हैं। भौतिक साधन निम्नलिखित हैं—

(1) भौतिक वस्तुयें (Material Goods)—धन के विनिमय द्वारा हम भौतिक वस्तुयें प्राप्त करते हैं। परिवार की अन्य सभी वस्तुयें इसके अन्तर्गत आती हैं, जैसे—मकान, खाना, कपड़ा, फर्नीचर इत्यादि।

(2) धन (Money)—धन का तात्पर्य विनिमय मूल्य से है। इससे संसार के लगभग सभी भौतिक साधनों को प्राप्त किया जा सकता है। इसमें बचत, वेतन, लाभ, बैंक जमा, ब्याज दर आदि शामिल हैं।

(3) सामुदायिक सुविधाएँ (Community Facilities)—समाज द्वारा प्रदत्त सुविधा इस वर्ग के अन्तर्गत आती हैं। बाजार, पोस्ट ऑफिस, बैंक, सड़कें, परिवहन के साधन, मनोरंजन स्थल, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थाएँ आदि। विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परिवार इनका उपयोग करता है।

Scanned with CamScanner